Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
Maharaja College, Ara

गुणात्मक अनुसंधान में सैम्पलिंग (Sampling in Qualitative Research)

गुणात्मक अनुसंधान (Qualitative Research) का उद्देश्य किसी घटना, व्यवहार, अनुभव या सामाजिक स्थिति को गहराई से समझना होता है। इसलिए इसमें सैम्पलिंग का तरीका सांख्यिकीय प्रतिनिधित्व (statistical representation) पर आधारित नहीं होता, बल्कि अनुभव की गुणवत्ता, विविधता और गहराई पर आधारित होता है।

सैम्पलिंग की परिभाषा

सैम्पलिंग वह प्रक्रिया है जिसमें शोधकर्ता यह तय करता है कि अध्ययन में शामिल किए जाने वाले व्यक्ति, समूह या घटनाएँ कौन-सी होंगी ताकि अनुसंधान का उद्देश्य पूरा हो सके।

गुणात्मक अनुसंधान में इसे “Purposeful Selection” (उद्देश्यपूर्ण चयन) भी कहा जाता है।

सैम्पलिंग का मुख्य उद्देश्य

1. अध्ययन किए जा रहे विषय या समस्या की गहरी समझ प्राप्त करना।
2. ऐसे प्रतिभागियों का चयन करना जिनके अनुभव शोध के प्रश्न से संबंधित हों।
3. विभिन्न दृष्टिकोणों, पृष्ठभूमियों और अनुभवों को शामिल करना।
4. समृद्ध (rich) और सार्थक (meaningful) डेटा प्राप्त करना।
5. सिद्धांत या अवधारणाओं (concepts) के विकास में योगदान देना।

सैम्पलिंग की विशेषताएँ (Characteristics of Qualitative Sampling)

1. छोटा सैम्पल साइज (Small Sample Size):

गुणात्मक अनुसंधान में सैम्पल का आकार छोटा होता है क्योंकि उद्देश्य गहराई से समझना है, न कि सामान्यीकरण करना।

Edit with WPS Office

2. उद्देश्यपूर्ण चयन (Purposeful Selection):

प्रतिभागियों का चयन इस आधार पर किया जाता है कि वे अध्ययन के विषय से संबंधित अनुभव रखते हों।

3. लचीलापन (Flexibility):

सैम्पलिंग प्रक्रिया अनुसंधान के दौरान बदली या विस्तारित की जा सकती है।

4. Data Saturation तक सैम्पलिंग:

जब नई जानकारी मिलनी बंद हो जाती है, तब सैम्पलिंग रोकी जाती है।

5. गुणवत्ता पर बल:

लक्ष्य डेटा की गहराई और समृद्धि (richness) होता है, न कि मात्रा (quantity)।

गुणात्मक सैम्पलिंग के प्रमुख प्रकार (Main Types of Qualitative Sampling)

1. Purposive Sampling (उद्देश्यपूर्ण सैम्पलिंग)

शोधकर्ता जानबूझकर ऐसे लोगों का चयन करता है जिनके पास अध्ययन से जुड़ी विशेष जानकारी या अनुभव हो।

यह सबसे आम तकनीक है।

उदाहरण: अवसादग्रस्त (depressed) लोगों के अनुभवों का अध्ययन करते समय केवल उन्हीं लोगों को शामिल करना जिन्हें अवसाद का अनुभव है।

2. Snowball Sampling (स्नोबॉल सैम्पलिंग)

इसमें पहले कुछ प्रतिभागियों का चयन किया जाता है, फिर वे अन्य उपयुक्त लोगों का सुझाव देते हैं।

यह विधि तब उपयोगी होती है जब शोध का विषय संवेदनशील या छिपा हुआ हो।

उदाहरण: मादक द्रव्य सेवन करने वाले लोगों का अध्ययन।

Edit with WPS Office

3. Convenience Sampling (सुविधा आधारित सैम्पलिंग)

इसमें शोधकर्ता उन लोगों को चुनता है जो आसानी से उपलब्ध हों।

यह सरल है परंतु प्रतिनिधित्व (representation) कम होता है।

उदाहरण: कॉलेज परिसर में उपलब्ध छात्रों से साक्षात्कार लेना।

4. Theoretical Sampling (सैद्धांतिक सैम्पलिंग)

Grounded Theory अनुसंधान में प्रयुक्त।

इसमें डेटा विश्लेषण के साथ-साथ सैम्पलिंग की जाती है।

जब तक सिद्धांत विकसित नहीं हो जाता, तब तक नए प्रतिभागियों को जोड़ा जाता है।

5. Quota Sampling (कोटा सैम्पलिंग)

प्रतिभागियों का चयन पहले से तय समूहों (जैसे पुरुष/महिला, आयु वर्ग आदि) के अनुसार किया जाता है।

उदाहरण: 10 पुरुष और 10 महिलाएँ जो चिंता विकार से पीड़ित हैं।

6. Criterion Sampling (मानदंड आधारित सैम्पलिंग)

केवल वे लोग चुने जाते हैं जो किसी विशेष मानदंड को पूरा करते हैं।

उदाहरण: 5 वर्ष से अधिक अनुभव वाले क्लिनिकल मनोवैज्ञानिक।

7. Maximum Variation Sampling (अधिकतम विविधता सैम्पलिंग)

शोधकर्ता विविध पृष्ठभूमि के लोगों को चुनता है ताकि अलग-अलग अनुभव सामने आ सकें।

उदाहरण: विभिन्न सामाजिक-आर्थिक वर्गों के छात्रों के तनाव अनुभवों का अध्ययन।

8. Typical Case Sampling (सामान्य मामला सैम्पलिंग)

इसमें शोधकर्ता ऐसे प्रतिभागियों का चयन करता है जो सामान्य स्थिति का प्रतिनिधित्व करते हों।

Edit with WPS Office

9. Deviant/Extreme Case Sampling (अत्यधिक या विचित्र मामला सैम्पलिंग)

इसमें असामान्य या विशेष मामलों का अध्ययन किया जाता है ताकि यह समझा जा सके कि वे अन्य से कैसे भिन्न हैं।

सैम्पल साइज निर्धारण (Determining Sample Size)

गुणात्मक अनुसंधान में सैम्पल साइज का कोई निश्चित नियम नहीं होता।

यह इस पर निर्भर करता है —

1. अनुसंधान के उद्देश्य पर
2. अध्ययन किए जाने वाले विषय की जटिलता पर
3. डेटा की गहराई पर
4. Data Saturation (नई जानकारी मिलनी बंद होने तक)

आमतौर पर 10 से 30 प्रतिभागी पर्याप्त माने जाते हैं, पर यह अध्ययन के प्रकार पर निर्भर करता है।

उदाहरण (Example)

यदि एक मनोवैज्ञानिक “ऑटिज़्म से ग्रस्त बच्चों के माता-पिता के अनुभव” का अध्ययन कर रहा है,

तो वह purposive sampling का प्रयोग करेगा —

अर्थात् केवल उन्हीं माता-पिता का चयन करेगा जिनके बच्चे ऑटिज़्म से ग्रस्त हैं।

निष्कर्ष (Conclusion)

गुणात्मक अनुसंधान में सैम्पलिंग का उद्देश्य “कितने लोग” नहीं, बल्कि “कौन लोग” हैं, यह समझना होता है।

इसका लक्ष्य है —

गहराई से अनुभवों की खोज,

विविध दृष्टिकोणों की पहचान,

और विषय की गहन समझ प्राप्त करना।

Edit with WPS Office